Medium :- आप में से बहुत लोग किताबों को हिन्दी में पढ़ना पसंद करते हैं और बहुत लोग अंग्रेजी में पढ़ना। हर भाषा का अपना महत्व है। इस किताब का मुख्य माध्यम हिन्दी में है। मैंने इस किताब का हिन्दी माध्यम इसलिए रखा है क्योंकि इस किताब को हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों मीडियम के लोग पढ़ और समझ सकते हैं। अगर आपको टूटी–फूटी हिन्दी भी आती है तो भी आप इस किताब को अंग्रेजी से भी अच्छा समझ पाओगे क्योंकि मैंने इस किताब में बिल्कुल साधारण, सरल, बोलचाल की भाषा एवं कई नॉर्मल बोले जाने वाली टर्मिनोलोजी अंग्रेजी में लिखी है। ये किताब दोनों भाषाओं का सन्तुलित मिश्रण है, जिससे दोनों भाषाओं के पाठकों को समझ में आ सके। इसकी भाषा में इतना इमोशन्स है कि आप इसे सीने से लगा लोगे। आपका इस किताब से पूरा अटैचमेन्ट हो जायेगा। बहुत ही साधारण भाषा का प्रयोग है, क्योंकि जो बात मैं समझाना चाह रहा हूँ, जो मेरे भाव जुड़े है, जो इमोशन्स है, जो आपको मैं फील करवाना चाह रहा हूँ, मैंने वो भाषा लिखी है। इसमें साहित्य भाषा का प्रयोग नहीं किया गया है। इसलिए इस बात की चिंता बिना करे अभी तुरंत इस किताब को मँगवाये। जिस तरह से गिलास में रखा पानी महत्वपूर्ण है ना कि काँच का गिलास होना या स्टील का गिलास का होना, उसी तरह से इस किताब के क्रांतिकारी, चमत्कारी सिद्धांत महत्वपूर्ण है। मेरा वादा है अंग्रेजी की किताबें पढ़ने वाले स्टूडेंट्स, पैरेन्ट्स और टीचर्स से कि आपको 0.0000001 प्रतिशत भी दिक्कत नहीं होगी। यह किताब आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण किताब होगी।